संपादक का नोट

मसीह में, प्रिय भाइयों और बहनों, गुड फ्राइडे वह दिन है जब यीशु ने हम पापियों के लिए अपना प्यार दिखाया, और ईस्टर वह दिन है जब उन्होंने साबित किया कि जैसा उन्होंने वादा किया था, वह हमेशा के लिए हमारे साथ है! मैं अपने सभी पाठकों को ईस्टर की बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। हमारे पुनर्जीवित प्रभु और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह, प्रभु की दिव्य कृपा के माध्यम से आपके जीवन को आशा, खुशी और समृद्धि से भर दें!

यूहन्ना 14:1–4 ''तुम्हारा मन व्याकुल न हो; परमेश्वर पर विश्वास रखो और मुझ पर भी विश्वास रखो। मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं, यदि न होते तो मैं तुम से कह देता; क्योंकि मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूँ। और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूँ, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा कि जहाँ मैं रहूँ वहाँ तुम भी रहो। जहाँ मैं जाता हूँ तुम वहाँ का मार्ग जानते हो।''

हमारे प्रभु यीशु मसीह की ओर से क्या ही आश्वासन है! यीशु ने सारी मानवजाति के लिए क्रूस और पाप के बोझ को उठा लिया। अपनी अंतिम सांस तक, यीशु दुनिया में आने के उद्देश्य को नहीं भूले। उनकी आत्मारिक आँखें हमेशा उनके पिता परमेश्वर के सिंहासन के दाहिने हाथ पर थीं। इब्रानियों 12:2 ''और विश्वास के कर्ता और सिद्ध करनेवाले यीशु की ओर ताकते रहें, जिसने उस आनन्द के लिये जो उसके आगे धरा था, लज्जा की कुछ चिन्ता न करके क्रूस का दुःख सहा, और परमेश्वर के सिंहासन की दाहिनी ओर जा बैठा।'' यीशु को उनकी पीड़ा की परवाह नहीं थी। वे लगातार केवल स्वर्ग के राज्य की महिमा के बारे में सोचते थे। यीशु और भी कई बोझ उठाने और और भी कई कष्ट सहने के लिए तैयार थे, क्योंकि वह जानते थे कि उनके पिता परमेश्वर के दाहिनी ओर बैठने की महिमा की तुलना किसी भी चीज से नहीं की जा सकती है।

इसी तरह, इस दुनिया में, हमारे पास कई परीक्षण और क्लेश होंगे, लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि यीशु ने पहले ही हमारी ओर से उन सभी पर विजय प्राप्त कर ली है; और अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार, वह हमारे लिए जगह तैयार करेंगे। जिस तरह हम परीक्षा से पहले खुद को तैयार करते हैं, उसी तरह अगर हम स्वर्गीय राज्य तक पहुंचना चाहते हैं, तो हमें आज से ही खुद को तैयार करना शुरू कर देना चाहिए। यह तभी संभव है जब हम उनके पंखों के नीचे रहें, उन पर भरोसा करें, उनकी बात माने और उनकी आज्ञाओं का पालन करें। जब हम ऐसा करेंगे, तो परमेश्वर की कृपा से हम सभी चीजों से उभर सकते हैं।

इसलिए प्रिय भाइयों और बहनों, जब यीशु ने अपने संसार में आने के अपने उद्देश्य को पूरा किया, तो हमें भी कलवारी के क्रूस की ओर लगातार देखना होगा। हमें याद रखना चाहिए कि हम उनके चुने हुए बच्चे हैं और हमारा लक्ष्य हमारे लिए तैयार किए जा रहे स्वर्गीय राज्य तक पहुंचना है। क्योंकि जैसा यीशु ने प्रतिज्ञा की थी, वह हमारे लिये आएंगे; और उस समय, वह हमें अपने साथ स्वर्गीय राज्य में ले जाने के योग्य पाना चाहिए।

जब तक दुबारा मिलें,

पास्टर सरोजा म।

प्रभु, भस्म करने वाली आग है!

मलाकी 3:3 ''वह रूपे का तानेवाला और शुद्ध करनेवाला बनेगा, और लेवियों को शुद्ध करेगा और उनको सोने रूपे के समान निर्मल करेगा, तब वे यहोवा की भेंट धर्म से चढ़ाएँगे।'' जैसा कि हमने वचन में पढ़ा है, प्रभु परमेश्वर अपने बच्चों को सोने की तरह शुद्ध करने के लिए लगातार शुद्ध करते रहते हैं। कोई भी साधारण धातु को भट्टी में नहीं परखता है, यह केवल सोना और चांदी है जिसे भट्टी में परीक्षण के लिए रखा जाता है और शुद्ध किया जाता है। हमारा प्रभु परमेश्वर इस प्रकार अपने लोगों को शुद्ध करने की भट्टी में डालते है और उन्हें शुद्ध करते है। अग्नि धातु की सभी अशुद्धियों को नष्ट कर देती है। इस प्रकार, जब कोई सोना और चांदी को आग में डालता है तो वह शुद्ध हो जाता है। बदले में, जब परमेश्वर के लोगों को शुद्धिकरण की भट्टी में डाल दिया जाता है, तो हम शुद्ध हो जाते हैं और प्रभु के प्रति दृढ़ विश्वासी बन जाते हैं। आइए हम पढ़ें 1 पतरस 1:7 ''और यह इसलिये है कि तुम्हारा परखा हुआ विश्वास, जो आग से ताए हुए नाशवान् सोने से भी कहीं अधिक बहुमूल्य है, यीशु मसीह के प्रगट होने पर प्रशंसा और महिमा और आदर का कारण ठहरे।'' परमेश्वर हमें शुद्धिकरण की भट्टी में क्यों डालते है? उन पर हमारे विश्वास का परीक्षण करने के लिए। हमारे जीवन में आग दुख, दर्द, बीमारी और अनिश्चितताओं के रूप में हो सकती है। इस प्रकार, जब हमें आग में डाल दिया जाता है, तो हमारे गहरे विश्वास की परीक्षा होती है। जब हमारे जीवन में कोई कष्ट और उत्पीड़न नहीं है, कोई भी हमारे विश्वास की जाँच नहीं कर सकता है। लेकिन जब हम पीड़ा और उत्पीड़न से गुजरते हैं तो हमारे विश्वास की परीक्षा होती है, उस समय प्रभु के लिए हमारी आंतरिक शक्ति दुखों पर विजय प्राप्त करती है जैसे कि जीवन का दर्द और दुख।

हम अय्यूब के जीवन को जानते हैं, उसकी भी परीक्षा ली गई ताकि परमेश्वर के प्रति उसके विश्वास की जाँच की जा सके। अय्यूब को दुख की भट्टी में डाल दिया गया, उसने अपने जीवन में अपने सभी प्रियजनों को खो दिया। उन्होंने अपने जीवन में सभी भौतिक धन को भी खो दिया। अंत में, वह शारीरिक रूप से घावों और बीमारी से ग्रस्त था। परन्तु अय्यूब ने अपनी सारी पीड़ा और कष्ट सहते हुए चुपचाप और बिना कुड़कुड़ाए सब सह लिया। आइए हम पढ़ें अय्यूब 23:8–10 "देखो, मैं आगे जाता हूँ परन्तु वह नहीं मिलता; मैं पीछे हटता हूँ, परन्तु वह दिखाई नहीं पड़ता; 9 जब वह बाईं ओर काम करता है, तब वह मुझे दिखाई नहीं देता; वह दाहिनी ओर ऐसा छिप जाता है, कि मुझे वह दिखाई ही नहीं पड़ता। 10 परन्तु वह जानता है कि मैं कैसी चाल चला हूँ; और जब वह मुझे ता लेगा तब मैं सोने के समान निकलूँगा।'' अय्यूब ने इस सच्चाई को महसूस किया कि परमेश्वर उसे उसके जीवन की सभी परीक्षाओं और क्लेशों से शुद्ध कर रहे थे। हमारे जीवन में भी, जब हमें परीक्षाओं, क्लेशों और कष्टों से गुजरना पड़ता है, तो हमें यह समझना चाहिए कि परमेश्वर हमारी परीक्षा ले रहे है। ताकि हम केवल उनकी महिमा के लिए शुद्ध हों। 1पतरस 1:16 कहता है ''क्योंकि लिखा है, "पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूँ।'' परमेश्वर का वचन कहता है, "पवित्र बनो, क्योंकि मैं पवित्र हूँ।"। इस प्रकार, प्रभु का प्रेम चाहता है कि हम उनकी तरह शुद्ध हों, इसलिए जब हमें सफाई की भट्टी में डाल दिया जाता है तो प्रभु हमें सोने के रूप में शुद्ध करते हैं। प्रभु हमारे जीवन में दुखों की अनुमति देते हैं, ताकि हम सोने और चांदी के रूप में शुद्ध हो जाएं। अगर हमारे जीवन में कोई कष्ट, पीड़ा या दुख नहीं है तो हम अपने जीवन में प्रभु के प्रेम को नहीं देख पाएंगे। हाँ, हमें इस सब से सफलतापूर्वक गुजरना होगा तभी हम प्रभु के लिए शुद्ध, धर्मी और सोने बनेंगे। इस प्रकार अय्यूब जानता था कि जब वह यह सब सफलतापूर्वक पार कर लेगा, तब वह यहोवा परमेश्वर के लिए सोने के समान शुद्ध होगा। वचन कहता है "हमारा परमेश्वर पवित्र है, तुम भी पवित्र बनो"।

साथ ही वचन कहता है कि हमें प्रभु के लिए शुद्ध होना चाहिए। वचन कहता है कि हमारे परमेश्वर का सिर सोना है और हम उनका शरीर हैं। इस प्रकार हमें भी यहोवा के लिए सोना बनना चाहिए। हमारा प्रभु पवित्र है, इसलिए हमें भी पवित्र बनना चाहिए। हमारे प्रभु का सिर सोना है, इस प्रकार हम सभा उनके शरीर हैं, इसलिए

हम में से प्रत्येक को भी उनके लिए सोना बनना चाहिए। इस प्रकार, आपको और मुझे यहोवा के लिए सोने के समान शुद्ध होने के लिए शुद्धिकरण के भट्ठे में डाल दिया गया है। जब हम सुनार के पास गहने का एक टुकड़ा लेते हैं, तो हम उसे बताते हैं कि वह टुकड़ा 5 ग्राम सोना है। लेकिन सुनार उसी का वजन और परीक्षण करेगा जैसे कि यह केवल 3 ग्राम सोना है और बाकी अन्य सस्ती धातु का मिश्रण है। फिर भी, उनका कहना होता है कि एक बार भट्टी में डालने और इसकी शुद्धता की जाँच करने के बाद इसकी पुष्टि हो जाएगी। इसी तरह, हम एक विश्वासी हो सकते हैं, फिर भी हमारे भीतर हमारे विश्वास की जांच करने के लिए प्रभु परमेश्वर को हमें शुद्धिकरण की भट्टी में रखना होगा। हमें उनकी परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करनी चाहिए। तभी परमेश्वर उसके प्रति हमारे विश्वास को देख सकते है। सभोपदेशक 5:11 ''उसका सिर चोखा कुन्दन है; उसकी लटकती हुई लटें कौवों के समान काली हैं।'' परमेश्वर का सिर सोना है, क्योंकि परमेश्वर ने उन सभी परीक्षाओं और क्लेशों के माध्यम से विजय प्राप्त की है, जब वे इस पृथ्वी पर चल रहे थे। उस अपमान को याद करें जिसे यीशु मसीह ने इस दुनिया में झेला था। इसी तरह, हमें भी अपने जीवन में इसी तरह के अपमान से गुजरना होगा और अपने जीवन में परमेश्वर की महिमा के लिए विजयी होकर आना होगा। यीशु को कलवारी के क्रूस पर बैठे शैतान को हराना था। इस प्रकार, यीशु ने कहा यूहन्ना 16:33 ''मैं ने ये बातें तुम से इसलिये कहीं हैं कि तुम्हें मुझ में शान्ति मिले। संसार में तुम्हें क्लेश होता है, परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैं ने संसार को जीत लिया है।'' ठीक जैसे अय्यूब ने ऊपर के वचन में कहा, कि ''देख, मैं तो आगे जाता हूं, परन्तु वह वहां नहीं है; और पीछे जाता हूँ, परन्तु मैं उसे नहीं देख सकता। बाईं ओर, जहां वह काम करते है, लेकिन मैं उन्हें नहीं देख सकताः वह अपने आप को दहिनी ओर छिपा लेते है, कि मैं उन्हें देख नहीं सकता। परन्तु वह जानते है कि मैं किस मार्ग से जाता हूं: जब वह मुझे परखेंगे, तो मैं सोने के समान निकलूंगा। परन्तु जब मैं उन परीक्षाओं और क्लेशों को देखता हूं जो परमेश्वर ने मुझे दी हैं, और जब मैं इस दुख से विजयी होकर निकलूंगा, तो मैं प्रभु परमेश्वर के लिए सोना बनूंगा।'' हमारे जीवन में भी, प्रभु हमें कष्ट, दर्द, और दुख से गुजरने देते हैं, कि उन पर हमारा विश्वास परखा जाए और जब हम शुद्ध हो जाएंगे तो हम उनके लिए सोने के रूप में सामने आएंगे। हम कह सकते हैं कि हम विश्वासी हैं लेकिन हमारे विश्वास की परीक्षा लेने के लिए, हमें अपने जीवन में कष्ट, पीड़ा और दुख से गुजरना होगा।

1 पतरस 4:12–13 कहता है ''हे प्रियो, जो दुःख रूपी अग्नि तुम्हारे परखने के लिये तुम में भड़की है, इस से यह समझकर अचम्भा न करो कि कोई अनोखी बात तुम पर बीत रही है। पर जैसे जैसे मसीह के दुःखों में सहभागी होते हो, आनन्द करो, जिससे उसकी महिमा के प्रगट होते समय भी तुम आनन्दित और मगन हो।'' परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने के लिए, हमें परीक्षा और क्लेश की इन परीक्षाओं को पास करना होगा जो हमारे रास्ते में आती हैं। हमें परमेश्वर के राज्य तक पहुँचने के लिए आप्रवास को पार करना होगा। इस दुनिया के लोगों के विपरीत, हम प्रभु से नहीं पूछ सकते कि हमारे जीवन पर यह अत्याचार क्यों आया है? सृष्टि के आरम्भ से, यह वह परीक्षा है जिसे परमेश्वर ने मानवजाति के लिए अलग रखा है। अगर हम प्रभु के साथ जुड़ते हैं और जीवन में आगे बढ़ते हैं, तो हम प्रभु के साथ भागीदार बन जाएंगे और उनके राज्य तक पहुंचेंगे। जब तक हम शुद्ध और धर्मी नहीं बन जाते, जब तक हम शुद्ध नहीं हो जाते और परमेश्वर के भागीदार नहीं बन जाते, हम उनके राज्य तक नहीं पहुंच सकते। इस प्रकार, परमेश्वर हमें शुद्धिकरण की भट्टी में डालते है। भजन संहिता 119:71 ''मुझे जो दुःख हुआ वह मेरे लिये भला ही हुआ है, जिससे मैं तेरी विधियों को सीख सकूँ।'' दाऊद ने कहा, "जो क्लेश मुझ पर आए हैं, उनके कारण मैं आपकी विधियों को सीख सका।" दाऊद की तरह, हम भी अपने क्लेश के समय में बहुत कुछ सीख सकते हैं, हमें पाप या लड़खड़ाना नहीं चाहिए, हमें विश्वास में आगे बढ़ना चाहिए और प्रभु परमेश्वर के लिए सोने या चांदी में बदलना चाहिए। उनके साथ आगे बढ़ने के लिए हमें परमेश्वर के साथ भागीदार बनना होगा। रोमियों 8:18–21 कहता है ''क्योंकि मैं समझता हूँ कि इस समय के दुःख और क्लेश उस महिमा के सामने, जो हम पर प्रगट होनेवाली है, कुछ भी नहीं हैं।

क्योंकि सृष्टि बड़ी आशाभरी दृष्टि से परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने की बाट जोह रही है। क्योंकि सृष्टि अपनी इच्छा से नहीं पर अधीन करनेवाले की ओर से, व्यर्थता के अधीन इस आशा से की गई कि सृष्टि भी आप ही विनाश के दासत्व से छुटकारा पाकर, परमेश्वर की सन्तानों की महिमा की स्वतंत्रता प्राप्त करेगी।'' अपने दुःख के समय हमें अपने आप को नम्र करना चाहिए और प्रभु का अनुसरण करना चाहिए। जो दुख और दर्द हम अभी सहेंगे, वह आने वाले समय की खुशियों की तुलना में कुछ भी नहीं है। इसे कोई पैसा हमारे लिए नहीं खरीद सकता, जीवन में कोई शॉर्टकट नहीं है। अगर हम अपना जीवन सही तरीके से जीते हैं तभी हम उसके राज्य तक पहुंचेंगे। इसी तरह, एक आदमी था जो शादी के भोज में पहुंचा, लेकिन क्या वह समारोह में भाग ले सका था? नहीं, वह उत्सव में भाग नहीं ले सका क्योंकि मालिक ने आकर उसे कॉलर से पकड़ लिया और उससे पूछा कि वह कौन है? और कैसे वह बिना उचित शादी के कपड़ों के बैंक्वेट हॉल में घुस गया था। उसने अपने लोगों को उसे पकड़ने और उसे अंधेरे और आग में फेंकने का निर्देश दिया। उसी तरह हमारा परमेश्वर भी उस दिन हमसे हिसाब मांगेंगे जब हम उनके राज्य में जायेंगे। इस प्रकार, आज प्रभु मित्र, पिता और उद्धारकर्ता के रूप में प्रेम से हमें सुधार और परामर्श दे रहे हैं। हमें शुद्धिकरण की भट्टी से गुजरना होगा और सोने और चांदी की तरह साफ़ और शुद्ध होना होगा। बार–बार परमेश्वर उस पर हमारे विश्वास की परीक्षा लेते है और कि हम उनके भागीदार हैं और स्वर्गीय राज्य में प्रवेश प्राप्त करते हैं।

प्रेरित पौलुस कहता है इब्रानियों 12:9–13 ''फिर जब कि हमारे शारीरिक पिता भी हमारी ताड़ना किया करते थे और हमने उनका आदर किया, तो क्या आत्माओं के पिता के और भी अधीन न रहें जिससे हम जीवित रहें। वे तो अपनीदृअपनी समझ के अनुसार थोड़े दिनों के लिये ताड़ना करते थे, पर वह तो हमारे लाभ के लिये करता है, कि हम भी उसकी पवित्रता के भागी हो जाएँ। वर्तमान में हर प्रकार की ताड़ना आनन्द की नहीं, पर शोक ही की बात दिखाई पड़ती है; तौभी जो उसको सहतेदृसहते पक्के हो गए हैं, बाद में उन्हें चैन के साथ धर्म का प्रतिफल मिलता है। इसलिये ढीले हाथों और निर्बल घुटनों को सीधे करो, और अपने पाँवों के लिये सीधे मार्ग बनाओ कि लंगड़ा भटक न जाए पर भला चंगा हो जाए।'' हमारा सांसारिक पिता हमें दण्ड देंगे, इस प्रकार हम उनके भय के कारण पाप नहीं करते हैं। लेकिन वचन कहता है, "उनसे मत डरो जो तुम्हारे भौतिक शरीर को नष्ट कर देंगे, बल्कि उस से डरो जो तुम्हारी आत्मा को नष्ट कर सकता है।" हाँ, स्वर्ग में हमारा पिता सांसारिक पिता की तुलना में हमारे लिए अधिक शक्तिशाली कार्य कर सकते है, इस प्रकार हमें उनसे डरना चाहिए। हमारे सांसारिक पिता हमें एक निश्चित उम्र तक ही सुधारेंगे, जब तक कि कोई शादी नहीं कर लेता। एक बच्चे की शादी के बाद, पिता कहते हैं कि अब अपने पति / पत्नी को तुम्हें सुधारने दो। यह वह सब है जो दुनिया के पास हमें देने के लिए है। लेकिन, हमारे स्वर्गीय पिता, हमारे जीवन के अंत तक हमारी देखभाल करेंगे। वह हमें कभी नहीं छोड़ेंगे और न ही हमें कभी त्यागेंगे। वह एक या दो दिन के लिए हमारी परवाह नहीं करते, लेकिन वह हमारी परवाह करते है कि हम उनके स्वर्गीय राज्य तक पहुंचेंगे। प्रत्येक सुधार के साथ, हमें अपने जीवन को मूल रूप से नवीकरण करना चाहिए, अन्यथा सुधार बेकार हो जाएगा यदि वह हमें नहीं बदलता है। इस प्रकार, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारा घुटना उनके पवित्र मंदिर में उनके सामने झुकना चाहिए। हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि हम उनके सामने विनम्र बने। इस दुनिया में, हमारे पास परीक्षण और क्लेश होंगे, लेकिन हमें खुश होना चाहिए कि प्रभु ने इस दुनिया को जीत लिया है। मलाकी 3:2–3 ''परन्तु उसके आने के दिन को कौन सह सकेगा, और जब वह दिखाई दे, तब कौन खड़ा रह सकेगा? "क्योंकि वह सोनार की आग और धोबी के साबुन के समान है। वह रूपे का तानेवाला और शुद्ध करनेवाला बनेगा, और लेवियों को शुद्ध करेगा और उनको सोने रूपे के समान निर्मल करेगा, तब वे यहोवा की भेंट धर्म से चढ़ाएँगे।'' इसलिए हमें आग को देखकर प्रभु से डरना नहीं चाहिए, हमें निश्चिंत रहना चाहिए कि यह आग हमारे विनाश के लिए नहीं भेजी गई है, बल्कि हमें सोने और चांदी के रूप में शुद्ध करने के लिए भेजी गई है। यह अग्नि जीवन देने वाली है न की जीवन लेने वाली है।

पवित्र शास्त्रों में, हम जानते हैं कि परमेश्वर ने मूसा से जलती हुई झाड़ी के माध्यम से बात की, लेकिन झाड़ी जली या नष्ट नहीं हुई, लेकिन आज भी जीवित है। इसी तरह पवित्र अग्नि हमें नष्ट नहीं करती, बल्कि हमें सोने और चांदी के रूप में शुद्ध करने के लिए शुद्ध करती है। अय्यूब 42:11 ''तब उसके सब भाई, और सब बहिनें, और जितने पहले उसको जानते पहिचानते थे, उन सभों ने आकर उसके यहाँ उसके संग भोजन किया; और जितनी विपत्ति यहोवा ने उस पर डाली थी, उस सब के विषय उन्होंने विलाप किया, और उसे शान्ति दी; और उसे एक एक सिक्का और सोने की एक एक बाली दी।'' यहाँ हम देखते हैं कि अय्यूब के दोस्तों और रिश्तेदारों ने उसे सोना उपहार में दिया था, क्योंकि उन्होंने सोचा था कि अब वह केवल सोने के योग्य है, सफाई, परीक्षण और क्लेश की भट्टी में जितने कष्ट झेले, उसके बाद वह केवल सोने के योग्य था। प्रकाशितवाक्य 21:21 ''बारहों फाटक बारह मोतियों के थे; एक एक फाटक एक एक मोती का बना था। नगर की सड़क स्वच्छ काँच के समान शुद्ध सोने की थी।'' कल्पना कीजिए कि परमेश्वर के राज्य में सड़क कीमती रत्नों से बनी है। कोई भी अधर्मी व्यक्ति परमेश्वर के राज्य तक नहीं पहुंच सकता। गलियां सुनहरी हैं। वहां कोई लुटेरा नहीं पहुंच सकता। यह निश्चित रूप से 'स्वर्ग' है कि परमेश्वर हमें अपने स्वर्गीय राज्य में ले जायेंगे। स्वर्ग से जो आग आई वह अलग–अलग कारणों से आई। लेकिन, याद रखें कि आग लोगों के जीवन में केवल आशीर्वाद लेकर आई है। जब सुलैमान ने प्रार्थना की और तब आग आकाश से नीचे उतर आया, तब भवन आग से भर गया। आग ने लोगों से अलग–अलग तरह से बात की। दूसरी ओर, जो आग सदोम और अमोरा पर लगी, वह नगर को नाश करने के लिए उतरी, क्योंकि इस स्थान में पाप बहुत हुआ था। दानिय्येल 3:19–27 ''तब नबूकदनेस्सर झुँझला उठा, और उसके चेहरे का रंग शद्रक, मेशक और अबेदनगो के प्रति बदल गया। उस ने आज्ञा दी कि भट्ठे को सातगुणा अधिक धधका दो। फिर अपनी सेना में के कई एक बलवान पुरुषों को उसने आज्ञा दी, कि शद्रक, मेशक और अबेदनगो को बाँधकर उन्हें धधकते हुए भट्ठे में डाल दो। तब वे पुरुष अपने मोज़ों, अंगरखों, बागों और अन्य वस्त्रों सहित बाँधकर, उस धधकते हुए भट्ठे में डाल दिए गए। वह भट्ठा तो राजा की दृढ़ आज्ञा होने के कारण अत्यन्त धधकाया गया था, इस कारण जिन पुरुषों ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो को उठाया वे ही आग की आँच से जल मरे, और उसी धधकते हुए भट्ठे के बीच ये तीनों पुरुष, शद्रक, मेशक और अबेदनगो, बन्धे हुए फेंक दिए गए। तब नबूकदनेस्सर राजा अचम्भित हुआ और घबराकर उठ खड़ा हुआ, और अपने मंत्रियों से पूछने लगा, "क्या हम ने उस आग के बीच तीन ही पुरुष बन्धे हुए नहीं डलवाए?" उन्होंने राजा को उत्तर दिया, "हाँ राजा, सच बात है।" फिर उसने कहा, "अब मैं देखता हूँ कि चार पुरुष आग के बीच खुले हुए टहल रहे हैं, और उनको कुछ भी हानि नहीं पहुँची; और चौथे पुरुष का स्वरूप ईश्वर के पुत्र के सदृश है।" फिर नबूकदनेस्सर उस धधकते हुए भट्ठे के द्वार के पास जाकर कहने लगा, "हे शद्रक, मेशक और अबेदनगो, हे परमप्रधान परमेश्वर के दासो, निकलकर यहाँ आओ!" यह सुनकर शद्रक, मेशक और अबेदनगो आग के बीच से निकल आए। जब अधिपति, हाकिम, गवर्नर और राजा के मंत्रियों ने, जो इकट्ठे हुए थे, उन पुरुषों की ओर देखा, तब उनकी देह में आग का कुछ भी प्रभाव नहीं पाया; और उनके सिर का एक बाल भी न झुलसा, न उनके मोज़े कुछ बिगड़े, न उन में जलने की कुछ गन्ध पाई गई।'' हमने पढ़ा हैं कि यहां स्वर्गीय अग्नि और सांसारिक अग्नि मिलती है, इस प्रकार सांसारिक अग्नि स्वर्गीय अग्नि पर विजय प्राप्त नहीं कर सकी। सांसारिक अग्नि क्रोध की ज्वाला है जबकि स्वर्गीय अग्नि वह अग्नि है जिसने लोगों को बदल दिया। सांसारिक आग ने शद्रक, मेशक और अबेदनगो को आग में डालने वाले लोगों को भस्म कर दिया, जबकि वे तीनों भट्ठी में आग से अप्रभावित थे। जो तीन भट्ठे से बचकर जीवित निकल आए, वे अब यहोवा परमेश्वर के लिए चौका सोना हैं, क्योंकि वे भट्ठे में पूरी रीति से शुद्ध किए गए थे। याद रखें, हमारे जीवन में, हम कई परीक्षणों और क्लेशों से गुजरेंगे, लेकिन यह केवल हमें शुद्ध करने के लिए है न कि हमें नष्ट करने के लिए। नीतिवचन 29:16 ''दुष्टों के बढ़ने से अपराध भी बढ़ता है; परन्तु अन्त में धर्मी लोग उनका गिरना देख लेते हैं।'' यहाँ हम देखते हैं कि कैसे शद्रक, मेशक और अबेदनगो जीवित निकले। हाँ, संसार अधर्मियों से भरा होगा, परन्तु धर्मी अधर्मियों का पतन देखेंगे। हमें परमेश्वर के प्रेम और भय में जीना चाहिए, तभी हम दुष्ट के

पतन को देख सकते हैं। हमारे परमेश्वर ने पहले ही हमसे वादा किया है कि यशायाह में क्या लिखा है यशायाह 43:2 ''जब तू जल में होकर जाए, मैं तेरे संग संग रहूँगा और जब तू नदियों में होकर चले, तब वे तुझे न डुबा सकेंगी; जब तू आग में चले तब तुझे आँच न लगेगी, और उसकी लौ तुझे न जला सकेगी।'' हाँ, जब हम पानी और नदियों को पार करेंगे, हम डूबेंगे नहीं। न ही जब हम आग पर चलते हैं, तब हम भस्म होंगे। परमेश्वर अलग–अलग तरीकों से हमारी देखभाल करेंगे।

नबी एलीशा एक धर्मी व्यक्ति थे, ईज़ेबेल ने उन्हें कई बार सताने की कोशिश की और जो आग उसने उसे मारने के लिए भेजी वह उसे भस्म नहीं कर सकी। बल्कि, आकाश की आग ने उसके रथ को उठा लिया और उसे जीवित आकाश में ले गई। जैसा कि 2 राजा 2:11–14 ''वे चलते चलते बातें कर रहे थे, कि अचानक एक अग्निमय रथ और अग्निमय घोड़ों ने उनको अलग अलग किया, और एलिय्याह बवंडर में होकर स्वर्ग पर चढ़ गया। और उसे एलीशा देखता और पुकारता रहा, "हाय मेरे पिता! हाय मेरे पिता! हाय इस्राएल के रथ और सवारो!" जब वह उसको फिर देख न पड़ा, तब उसने अपने वस्त्र पकड़े और फाड़कर दो भाग कर दिए। फिर उसने एलिय्याह की चद्दर उठाई जो उस पर से गिरी थी, और वह लौट गया, और यरदन के तट पर खड़ा हुआ। तब उसने एलिय्याह की वह चद्दर जो उस पर से गिरी थी, पकड़ कर जल पर मारी और कहा, "एलिय्याह का परमेश्वर यहोवा कहाँ है?" जब उसने जल पर मारा, तब वह इधर उधर दो भाग हो गया और एलीशा पार हो गया।'' हमारे जीवन में स्वर्ग की आग से बड़ा कुछ नहीं है। यह आग ही है जो अंत में हमारे जीवन को ऊपर उठाएगी। हमारे जीवन में भी विभिन्न प्रकार की आग होगी जिनका हम सामना करेंगे, लेकिन हमें हमेशा स्वर्ग की आग से शुद्ध होने का प्रयास करना चाहिए और सांसारिक आग को हमें भस्म नहीं करने देना चाहिए। वचन 11 कहता हैं ''वे चलते चलते बातें कर रहे थे, कि अचानक एक अग्निमय रथ और अग्निमय घोड़ों ने उनको अलग अलग किया, और एलिय्याह बवंडर में होकर स्वर्ग पर चढ़ गया।'' एलिय्याह और एलीशा भविष्यद्वक्ता दोनों चल रहे थे, और एकाएक आग से लथपथ स्वर्गीय रथ नीचे उतर आया और एलिय्याह को उठाकर ले गया। इस प्रकार आग ने एलिय्याह और एलीशा को अलग कर दिया।

निश्चित रूप से जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जब अंत समय आएगा, तो दो होंगे और एक ले लिया जाएगा और दूसरा इस धरती पर पीड़ित होने के लिए छोड़ दिया जाएगा। हाँ, हमें उन लोगों की तरह शुद्ध होना चाहिए जो पिन्तेकुस्त के दिन ऊपरी कमरे में बैठे थे और परमेश्वर के आत्मा से भरे हुए थे और अन्य भाषा बोलने लगे थे। हाँ, यह हमारे लिए परमेश्वर की इच्छा है कि हम उसकी आत्मा से भर जाएँ और एक धर्मी जीवन जिएँ और अंत में स्वर्गीय राज्य तक पहुँचें।

इसे पढ़ने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में यह सन्देश एक आशीष बने। प्रभु की स्तुति हो!

पास्टर सरोजा म.